ई.सी.ओ.– 02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
2015–16

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ. – 02 : लेखाविधि – I

जुलाई 2015 तथा जनवरी 2016 पवेश सत्र के लिए

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –110068

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ. – 02 : लेखाविधि – I

सत्रीय कार्य – 2015–16

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2015 और जनवरी 2016)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2015,** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2016** तक है।

2. जो **जनवरी 2016,** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसम्बर 2016** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इसे **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**ई.सी.ओ. – 02**
पाठ्यक्रम का शोर्षक	:	**लेखाविधि –I**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**ई.सी.ओ.–02/टी.एम.ए./2015–16**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. लेखांकन को परिभाषित कीजिए। रिकार्ड करते समय लेखाकार का मार्गदर्शन करने वाली संकल्पनाओं का वर्णन कीजिए।

(20)

2. (क) उन मदों के नाम बताइए जिनका लेखा प्रेषण खाते में बीजक मूल्य पर किया जाता है। बीजक मूल्य पर माल भेजने के कारणों का उल्लेख कीजिए।

   (ख) संयुक्त उपक्रम के लेखों को रिकार्ड करने के लिए पृथक लेखा पुस्तक विधि की चर्चा कीजिए।

(10+10)

3. इकहरी लेखा प्रणाली से क्या अभिप्राय है? इकहरी लेखा प्रणाली एवं दोहरी लेखा प्रणाली में अंतर बताइए। जब लेखे अपूर्ण हों तो उस स्थिति में लाभ ज्ञात करने की दोनों विधियों का वर्णन कीजिए।

(20)

4. (क) आय व्यय खाते से आपका क्या तात्पर्य है? यह प्राप्ति एवं भुगतान खाते से किस प्रकार भिन्न है?

   (ख) लेखा–पुस्तकों में मूल्यह्रास को रिकार्ड करने की विधियों का वर्णन कीजिए। मूल्यह्रास प्रावधान खाते के शेष को बैलेन्स शीट में किस प्रकार दिखाया जाता है?

5. निम्नलिखित तलपट से 31 दिसम्बर, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष का व्यापारिक एवं लाभ–हानि खाता और उसी दिन की बैलेंस शीट तैयार कीजिएः–

	Dr. (Rs.)	Cr. (Rs.)
Stock 1st Jan., 2014	22,300	
Purchases and Purchases Return	2,30,000	5,200
Freehold Premises	1,00,000	
Incidental Trade Exp.	11,200	
Insurance	1,850	
Audit Fees	800	
Commission Received		2,700
Interest		1,400
Debtors and Creditors	32,400	24,830
Wages	30,200	
Salaries	15,200	

Capital		1,50,000
Drawings	12,000	
Income- Tax	3,600	
Investments	8,000	
Discount Allowed & received	7,500	4,200
Sales Return & Sales	6,400	3,17,400
B/R	5,200	
Office Furniture	9,000	
Rent		2,600
Cash in hand	5,080	
Bank Balance	7,600	
	5,08,330	5,08,330

समायोजनाएँ:–

a) 31 दिसम्बर, 2014 को 70,000 रू. का स्टॉक है।

b) फ्रीहोल्ड भवन के ऊपर 5 प्रतिशत तथा कार्यालय फर्नीचर पर 20 प्रतिशत ह्रास लगाओ।

c) कमीशन उपार्जित किया परन्तु प्राप्त नहीं हुआ 500 रू.।

d) उपार्जित ब्याज 600 रू. है।

e) 200 रू. किराया अग्रिम प्राप्त हो गया है।

f) पूँजी पर 6 प्रतिशत ब्याज तथा आहरण पर 500 रू. ब्याज के लगाइए।

(20)